अपनी कला से भोपाल की बेटियां पूरी दुनिया में कमा रही है नाम, विशाली ने किया अपने काम को प्रदर्शित

By **The Indian Observer** March 14, 2023

31 0

Facebook Twitter Pinterest

Bhopal's daughters are earning fame all over

TIO भोपाल

भोपाल की बेटियां न केवल अपने देश में नाम कमा रही है, बल्कि विदेश में भी खूब नाम कमा रही है। ऐसी ही एक भोपाल की बेटी विशाली बाबा जिन्होंने पहले मुंबई में एग्जीबिशन लगाई जिसमें कई फिल्मी सितारों ने खूब सराहा। अब भोपाल के स्वराज भवन आर्ट गैलरी में विशाली बाबा की आर्ट एग्जीबिशन आयोजित की है। इस दौरान चित्रकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन दिखाते हुए एक से बढ़कर एक पेटिंग बनाई। आर्ट एग्जीबिशन में डिजीटल प्रिंटर्स ऐसी थी कि लोग उसे देखकर हैरतअंगेज रह गए। ये अपने आप में एक कमाल है कि हाथ से किए हुए काम को कंप्यूटर से कलर भरकर बहुत ही आकर्षक तरीके से बनाना एक बहुत बड़ी कला है, जिसको फोकस किया है। इस दौरान मुख्य अतिथ पद्मश्री उमाकांत गुंदेचा भी उपस्थित थे। लाइन ड्राइंग्स और इंडियन मोटिफ्स से इंस्पायर्ड यहां डिस्पले 24 कैनवास क्या-कुछ बयां करते हैं, इसकी जानकारी विशाली बाबा ने विस्तारपूर्वक दी और साथ ही साथ उनको बनाने के पीछे की वजह भी बताई है।

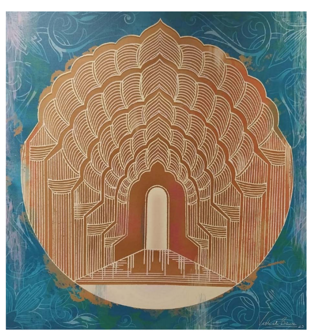

काफी मेहनत के बाद बनाई पेंटिग्स : यह पेंटिंग मैंने दो साल में तैयार की है। इनमें कोविड टाइम का इम्पैक्ट भी नजर आता है, क्योंकि बेशक इस टाइम ने हमें अपने इमोशंस को लेकर थोड़ा केयरिंग बनाया है। मैंने बचपन में पिथोरा, मधुबनी और वर्ली आर्ट जैसे ढेरों फोक आर्ट सीखे हैं, यहीं वजह है कि पेंटिंग्स में इनको रिफलेक्शन भी नजर आता है।

MOST POPULAR

अपनी कला से भोपाल की बेटियां पूरी दुनिया में कमा रही है नाम, विशाली ने किया अपने काम को प्रदर्शित
March 14, 2023

लाड़ली बहना योजना : गेम चेंजर या गेम
March 14, 2023

राजवाड़ा-2-रेसीडेंसी
March 14, 2023

कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट कर दिया
March 14, 2023

Load more

इमोशन का किया खूब इस्तेमाल: विशाली बताती है-न्यूयॉर्क में मैं फिलहाल एक हेल्थ बेस्ड कंपनी के साथ काम कर रही हूं। यहीं वजह है कि मैं इमोशनल वेलबॉग को काफी उभारकर सामने लगाई है। यह खूबी विदेश में रहकर ज्यादा महसूस होती है। यहीं कारण है पेंटिंग्स में इमोशंस का असर दिखता है।

Like 0

Facebook Twitter Pinterest

Previous article

लाड़ली बहना योजना : गेम चेंजर या गेम

The Indian Observer

RELATED ARTICLES

MP
लाड़ली बहना योजना : गेम चेंजर या गेम

MP
राजवाड़ा-2-रेसीडेंसी

MP
कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट कर दिया

LEAVE A REPLY

Comment:

Name:*

Email:*

Website:

Save my name, email, and website in this browser for the next time I comment.

Post Comment

Home › News › MP › लाड़ली बहना योजना : गेम चेंजर या गेम

News MP

लाड़ली बहना योजना : गेम चेंजर या गेम

By **The Indian Observer** March 14, 2023 21 0

Facebook Twitter Pinterest

MOST POPULAR

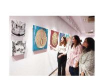

अपनी कला से भोपाल की बेटियां पूरी दुनिया में कमा रही है नाम, विशाली ने किया अपने काम को प्रदर्शित

March 14, 2023

लाड़ली बहना योजना : गेम चेंजर या गेम

March 14, 2023

राजवाड़ा-2-रेसीडेंसी

March 14, 2023

कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट कर दिया

March 14, 2023

Ladli Bahna Yojana: Game changer or game

सुधीर निगम

'लाड़ली बहना योजना' सुनने में अच्छा लगता है। राजनीतिक गलियारों से लेकर चौक-चौपाल तक इन दिनों बस इसी की चर्चा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपना पत्ता फेंक दिया है। इसकी काट के लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ नई योजना का हल्ला मचाये हैं। योजना की थोड़ी पड़ताल की जाए तो दिमाग के कुछ जाले साफ हो सकते हैं। योजना की घोषणा से पहले तो ऐसा लगा कि सभी महिलाओं को एक हजार रुपए महीना मिलने वाला है। फिर साफ हुआ कि ऐसा नहीं है। प्रदेश में करीब 4 करोड़ महिला आबादी है। इसमें से बमुश्किल 60-65 लाख आबादी को ही इस योजना का लाभ मिलेगा। यह मैं बिना किसी आधार के नहीं कह रहा। सरकार ने इस योजना के लिये जो बजट प्रस्ताव किया है, उस पर गौर करें तो मामला कुछ समझ सकते हैं। बजट में इसके लिए 8000 करोड़ का प्रावधान है। यदि पात्र महिला को हर महीने एक हजार रुपए देने हैं, तो साल भर में उसके लिए 12 हजार रुपए की व्यवस्था होगी। इस हिसाब से 8000 करोड़ रुपए से करीब 66 लाख महिलाओं को यह राशि दी जा सकती है।

अब कोई कहेगा राशि तो जून से दी जाएगी, उस स्थिति में भी यह रकम 80 लाख महिलाओं के लिए ही होगी। ये आंकड़े भी तब, जब पूरी राशि सिर्फ बांटने में लगा दी जाए। अब 8000 करोड़ की योजना है और चुनाव सिर पर है, तो इसके इवेंट नहीं होंगे क्या? उसकी राशि कहाँ से आएगी? इसमें लगने वाले सरकारी अमले का खर्च, योजना का प्रचार-प्रसार, उसके अन्य खर्चे की व्यवस्था भी तो करना पड़ेगी।

प्रदेश के पाँच करोड़ 40 लाख मतदाताओं में से दो करोड़ 60 लाख महिलाएं हैं। इनमें से 25 से 30 फीसदी को तो इसका लाभ मिलेगा। इसका मतलब शिवराज ने सीधे-सीधे इतनी महिलाओं के वोट खींच लिए। इसका दूसरा पहलू देखिए कि जिन्हें इस योजना का फायदा नहीं मिलेगा, क्या वो नाराज होंगी? इनकी संख्या लाभ पाने वाली महिलाओं से बहुत ज्यादा रहेगी। कांग्रेस अगर इन महिलाओं के मन में यह बात भर दे कि उनके साथ नाइंसाफी हुई है, तो 'गेम' हो जाएगा। लेकिन, कमलनाथ तो डेढ़ हजार रुपए की स्कीम बता रहे हैं। हालाँकि साथ में यह भी कह तो रहे ही हैं कि लाड़ली बहना योजना में महिलाओं को शामिल करने से ज्यादा बाहर रखने का काम किया गया है। पर यहाँ एक और गौर करने वाली बात है कि जिस वर्ग को इस लाड़ली बहना योजना का लाभ मिलेगा, वह चुनाव में शर्तिया वोट डालने के लिए घर से निकलता है।
लाड़ली बहना योजना 'गेम चेंजर' साबित होगी या शिवराज ने 'गेम' कर दिया, ये तो जल्द ही मालूम पड़ेगा।

Like 0

Facebook Twitter Pinterest

Previous article
राजवाड़ा-2-रेसीडेंसी

Next article
अपनी कला से भोपाल की बेटियां पूरी दुनिया में कमा रही है नाम, विशाली ने किया अपने काम को प्रदर्शित

The Indian Observer

RELATED ARTICLES

MP

अपनी कला से भोपाल की बेटियां पूरी दुनिया में कमा रही है नाम, विशाली ने किया अपने काम को प्रदर्शित

MP

राजवाड़ा-2-रेसीडेंसी

MP

कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट कर दिया

LEAVE A REPLY

Comment:

Name:*

Email:*

Website:

Load more

RECENT COMMENTS

Website:

☐ Save my name, email, and website in this browser for the next time I comment.

Post Comment

News MP

राजवाड़ा-2-रेसीडेंसी

By **The Indian Observer** March 14, 2023 11 0

Facebook Twitter Pinterest

Rajwada-2-Residency

(अरविंद तिवारी)

बात यहां से शुरू करते हैं...यदि किसी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मौजूदगी में भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा को भाषण देना हो तो बड़े पशोपेश की स्थिति हो जाती है। इन दिनों सीएम और वीडी की ट्यूनिंग अच्छी है। इधर, वीडी को दिल्ली में सिंधिया के दबदबे का भी अहसास है। ऐसी स्थिति में उन्हें दोनों को साधना पड़ता है। पिछले दिनों शिवपुरी में हुए ऐसे ही एक कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष ने दोनों को एक अलग अंदाज में साधा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में या तो सिंधिया राजघराने की सत्ता के दौरान विकास हुआ या फिर अब शिवराजसिंह चौहान के मुख्यमंत्री रहते हुए। दोनों ही खुश हो गए और वीडी भी सेफ जोन में।

टिकट की चाह... और हारी सीटों से जिम्मेदारों का पलायन

पिछले चुनाव में हारी सीटों पर अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भाजपा का केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व कोई कसर बाकी नहीं रख रहा है। इसके लिए नेताओं को अलग-अलग सीटों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन नेताओं से ज्यादातर समय अपने प्रभार के क्षेत्रों

MOST POPULAR

अपनी कला से भोपाल की बेटियां पूरी दुनिया में कमा रही है नाम, विशाली ने किया अपने काम को प्रदर्शित
March 14, 2023

लाड़ली बहना योजना : गेम चेंजर या गेम
March 14, 2023

राजवाड़ा-2-रेसीडेंसी
March 14, 2023

कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट कर दिया
March 14, 2023

Load more

RECENT COMMENTS